AMAR UJALA MY CITY PAGE 5 & 6

रंग कर्म से सामाजिक बुराइयों पर चोट कर रहा अदम्य ग्रुप

लखनऊ विश्वविद्यालय : ग्रुप में शामिल हैं 100 से ज्यादा छात्र, कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में ले चुका है हिस्सा

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी पढ़ाई के साथ ही थियेटर की दुनिया में भी नई इबारत लिख रहे हैं। एक-दो नहीं बल्कि 100 से ज्यादा विद्यार्थियों ने अदम्य नाम से अपना ग्रुप तैयार किया है। यह ग्रुप नुक्कड़ नाटक से लेकर विभिन्न प्रतियोगिताओं में जाकर न सिर्फ अपनी प्रस्तुति दे रहा है बल्कि पुरस्कार भी जीत रहा है।

विश्वविद्यालय में नाटक और थियेटर में दिलचस्पी रखने वाले विद्यार्थियों को मौका देने के लिए मुक्ता काशी मंच की व्यवस्था है। इसी मंच से लविवि के अदम्य थिएटर ग्रुप की नींव पड़ी। ग्रुप की स्थापना प्रशांत चौबे, अंशुल और अजय उपाध्याय ने की है। तीनों ने बताया कि इसकी नींव तीन साल पहले रखी गई थी, जिसके बाद टीम का गठन कर अदम्य थियेटर ग्रुप तैयार किया। यह ग्रुप विद्यार्थियों द्वारा ही संचालित है। इसने अपना काम शुरू कर दिया है। इसका मकसद समाज की कुरीतियों को दूर करने, समाज के गलत कामों को उजागर करने और उनके खिलाफ आवाज उठाने के लिए किया गया। इसके लिए नुक्कड़ नाटक से बेहतर कोई और जरिया नहीं हो सकता। इसलिये इसकी शुरुआत कर दी गई। तीनों के अनुसार हमारी तरह विश्वविद्यालय के ऐसे छात्र-छात्राएं जो अपनी आवाज उठाना चाहते थे और समाज को जागरूक बनाना चाहते थे। वह भी समय के साथ अदम्य में शामिल होते गए और आज अदम्य लखनऊ यूनिवर्सिटी की एक ऑफिशियल टीम है, जहां पर 100 से भी अधिक छात्र छात्राएं जुड़े हुए हैं और प्रोफेसर राकेश चंद्रा इस टीम का मार्गदर्शन करते हैं। टीम अदम्य ने एडीजी रेणुका मिश्रा और डीसीपी रुचिता चौधरी (महिला अपराध) के दिशा-निर्देशों पर प्रदेश के कई शहरों में नुक्कड़ नाटक का मंचन कर समाज को जागरूक किया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अदम्य नाम से अपना थियेटर ग्रुप शुरु किया। (फाइल फोटो)

अक्षम्य से अदम्य

शुरुआत में टीम का नाम अक्षम्य रखा गया था, जिसका अर्थ होता है जो क्षमा के योग्य ना हो। समय के साथ टीम के सदस्यों ने पाया कि हर अपराधी को सुधार का एक मौका मिलना चाहिए और इसी लिए अक्षम्य नाम को बदलकर टीम ने अदम्य नाम को चुना, जिसका अर्थ होता है जिसको दबाया ना जा सके या जिसे हराया ना जा सके ।

तीन सालों से सक्रिय है ग्रुप, कई प्रस्तुतियां दे चुका

टीम अदम्य ने पिछले 3 सालों में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है और लखनऊ यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व किया है। आईआईटी रुड़की, आईआईटी बनारस, आईआईएम और राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जैसे कई राष्ट्रीय स्तर के यूनिवर्सिटीज में नुक्कड़ नाटक में टीम ने पहले तीन स्थानों पर अपना नाम दर्ज किया है।

अदम्य के कुछ सक्रिय विद्यार्थियों के नाम

प्रशांत चौबे, अंशुल, अजय, जयति, विशाल, शुभांगी, अंशुमली, आदित्य, श्रेया, दिव्या, सदफ, गौरी, अंचिता, विधि, उमेश, यश, खुशी, कृष्णांश, अनुज, अस्तित्व, हर्षिता, शेशन, शिवांश, अनस, श्रद्धा और आकाश आदि।

HINDUSTAN PAGE 7

● एलयू के प्रस्तावित ऑर्डिनेंस को राजभवन ने दी मंजूरी ● नए सत्र से मिलेगा फायदा

एलयू से अब नौकरीपेशा भी कर सकेंगे पीएचडी

अच्छी खबर

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

नौकरी पेशा भी अब आसानी से पीएचडी कर सकेंगे। उनके रास्ते की अड़चने खत्म हो गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रस्तावित ऑर्डिनेंस को राजभवन ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। विश्वविद्यालय के 45 विभागों में नौकरीपेशा छात्रों व आम नागरिकों के लिए पीएचडी का रास्ता खुल गया है। अभी तक नौकरीपेशा लोगों को पीएचडी करने की छूट नहीं मिलती थी। लोग इसके लिए लंबे समय से मांग कर रहे थे। नई एजुकेशन पॉलिसी में इसके लिए कुछ व्यवस्था दी गई थी। जिसके तहत लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक कमेटी गठित कर इसके लिए ऑर्डिनेंस तैयार किया था।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने इसे मंजूरी के लिए शासन व राजभवन भेजा था। अब राजभवन की मंजूरी मिल गई है। हर विभाग में रिसर्च एडवाइजरी कमेटी होगी। जहां शोधार्थी छात्रों को हर छह महीने में दो बार प्रेजेंटेशन देकर शोध से जुड़ी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

45 विभागों में मिल सकेगा दाखिला

नौकरी पेशा लखनऊ विश्वविद्यालय के 45 विभागों में पीएचडी के लिए दाखिला ले सकेंगे। इनमें से हर विभाग में प्रोफेसर तथा एसोसिएट प्रोफेसर अपने अधीन एक-एक व्यक्ति को पीएचडी के लिए ले सकेगा। अगर किसी विभाग में 5 प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर होंगे तो वहां 5 लोगों को पीएचडी करने का मौका मिलेगा।

थीसिस की सॉफ्ट कॉपी बनाकर विभाग को सौंप सकेंगे

पीएचडी करने वाले छात्रों को अब मोटी फाइलें बनाने से भी मुक्ति मिल जाएगी। छात्रों को अपनी थीसिस को प्रिंट कराने की जरूरत भी नहीं होगी। इसे सॉफ्ट कॉपी में बनाकर वह विभाग में सौंप सकेंगे। संबंधित विभाग के रिसर्च सेल में मेल कर सकेंगे।

प्रोफेसर व एसोसिएट प्रो. करा सकेंगे पीएचडी

नौकरी पेशा लोग केवल प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर के अधीन ही पीएचडी कर सकेंगे। एक प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर केवल एक ही नौकरीपेशा को पीएचडी के लिए इनरोल कर सकेगा। असिस्टेंट प्रोफेसर व अन्य शिक्षक इन्हें पीएचडी के लिए इनरोल नहीं कर सकेंगे।

नियमित उपस्थिति जरूरी नहीं होगी

नौकरी पेशा लोगों को पीएचडी के लिए नियमित उपस्थिति नहीं दर्ज करानी पड़ेगी। उन्हें इसके लिए छूट रहेगी। लेकिन कोर्स वर्क के एग्जाम पास करने जरूरी होंगे।

मौखिक परीक्षा के दिन ही अवार्ड मानी जाएगी पीएचडी

नए ऑर्डिनेंस में पीएचडी की मौखिक परीक्षा के दिन ही इसे अवार्ड मान लिया जाएगा। देश विदेश के प्रोफेसर भी मौखिक परीक्षा के लिए परीक्षक बनाए जा सकेंगे। उन्हें विश्वविद्यालय में बुलाने की जरूरत नहीं होगी। ये ऑनलाइन ही मौखिक परीक्षा ले सकेंगे।

लविवि अब पार्ट टाइम पीएचडी भी कराएगा

राजभवन से एप्रूव नए पीएचडी अध्यादेश के अनुसार होगी प्रवेश प्रक्रिया

लखनऊ। लविवि अब पार्ट टाइम पीएचडी भी कराएगा। इसके लिए इसमें नौकरी पेशा लोगों को नियमित छुट्टी भी नहीं लेनी पड़ेगी। लेकिन कोर्स वर्क की परीक्षा पास करनी होगी। साथ ही पीएचडी नामांकन के लिए एम्प्लायर से एनओसी लेनी होगी। यह व्यवस्था विवि के नए पीएचडी अध्यादेश में दी गई है। जिसे हाल में राजभवन ने मंजूरी दे दी है। अब नए अध्यादेश के अनुसार विवि नए सत्र की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया पूरी करेगा।

जानकारी के अनुसार, पार्ट टाइम पीएचडी के लिए हर फेकेल्टी में एक साल में एक ही सीट पर प्रवेश होगा। इसके लिए गाइड प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर ही बनेंगे। नए अध्यादेश के अनुसार, नवनियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसर प्रोवेशन पीरियड के बाद ही पीएचडी गाइड बन सकेंगे। वहीं, थीसिस जमा करने की डेट से पीएचडी की वह सीट खाली मानी जाएगी। मौखिक परीक्षा की तिथि से ही पीएचडी अवॉर्ड मानी जाएगी। लविवि की डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि नए पीएचडी अध्यादेश को राजभवन से हरी झंडी दे दी गई है।

थीसिस की नहीं बनानी होगी चार कॉपी

नए अध्यादेश में विद्यार्थियों की दिक्कत और पर्यावरण को भी ध्यान में रखा गया है। अब थीसिस जमा करने के लिए 4 कॉपियां बनाकर प्रिंट नहीं कराना पड़ेगा। शोधार्थी थीसिस की पीडीएफ कॉपी ई-मेल से भेज सकेंगे। अगर गाइड चाहेंगे तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से वाइवा आयोजित कर सकेंगे।

आजाद के अस्थि कलश की प्रदर्शनी शुरू, विश्वविद्यालय व कॉलेजों में भी याद किए गए अमर शहीद

लखनऊ। चौरीचौरा घटना के शताब्दी महोत्सव के तहत राज्य संग्रहालय में बृहस्पतिवार से अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के अस्थि कलश की प्रदर्शनी शुरू हुई। प्रदर्शनी की शुरुआत निदेशक डॉ. एके सिंह ने की। लखनऊ विश्वविद्यालय में सांस्कृतिकी की ओर से कार्यक्रम हुआ, जिसमें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व प्रो. राकेश चंद्रा ने चौरी-चौरा घटना की विस्तार से जानकारी दी। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. प्रशांत शुक्ला आदि उपस्थित थे। राज्य ललित कला अकादमी में पांच दिवसीय म्यूरल्स शिविर की शुरुआत हुई। शिविर में प्रदेश के 10 मूर्तिकार स्वतंत्रता आंदोलन के वीर शहीदों के कथानक उकेरेंगे। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि स्व. रामकृष्ण खत्री के पुत्र उदय खत्री और सीनियर आईएएस डॉ. चंद्रभूषण ने की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने रक्तदान शिविर लगाया, जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह संपर्क प्रमुख डॉ. राकेश द्विवेदी, महानगर अध्यक्ष डॉ. मंजुला उपाध्याय ने किया। राजाजीपुरम में मोहन भोग चौराहे पर शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की प्रतिमा पर विधायक सुरेश श्रीवास्तव ने माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर डॉ. यूएन पांडे, राजन मिश्रा, अनुराग मिश्रा, धर्मेंद्र शर्मा, बबीता शर्मा, रजनी शुक्ला, रजनी मिश्रा, वर्षा त्रिवेदी, एसपी तिवारी आदि उपस्थित रहे। उधर, काकोरी में विकास खंड परिसर में कार्यक्रम हुआ, जहां मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख काकोरी कुंवर रामविलास व अध्यक्षता बीडीओ संजीव कुमार गुप्ता ने पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को नमन किया।

महिलाओं को दी कानून की जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से मिशन शक्ति अभियान के तहत बृहस्पतिवार को दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई। पहले दिन महिलाओं को आत्मरक्षा व कानूनी जानकारी दी गई। इसी क्रम में एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें एमकॉम के विद्यार्थियों ने शिरकत की। प्रतियोगिता में प्रीति कन्नौजिया प्रथम, ऐश्वर्या अवस्थी द्वितीय तथा मानसी यादव व आकांक्षा सिंह को संयुक्त रूप से तीसरा पुरस्कार दिया गया।

विदेश में उच्च शिक्षा के लिए जागरूक किया

कार्यक्रम

लखनऊ | निज संवाददाता

मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड अर्थशास्त्र विभाग में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन गुरुवार को हुआ। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। विजयी छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। साथ ही छात्राओं को अमेरिका दूतावास के साथ जोड़ा गया।

अमेरिकी दूतावास की कांसलर कैंडिस लाप्लान्टे और भारतीय दूतावास से रुपाली वर्मा ने बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा के लिए जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ाया। वहीं इससे पूर्व पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। प्रतियोगिता में एमकॉम और पीएचडी के छात्र शामिल हुए। जिसमें प्रीति कनौजिया को प्रथम पुरस्कार मिला। वहीं ऐश्वर्या अवस्थी को द्वितीय पुरस्कार मिला। मानसी यादव और आकांक्षा सिंह संयुक्त रूप से तीसरे स्थान और रहीं।

i-NEXT PAGE II

एलयू में भी शताब्दी समारोह

भाषा यूनिवर्सिटी में भी शताब्दी समारोह का शुभारंभ

LUCKNOW (4 Feb inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गुरुवार को कार्यक्रम आयोजित किया. उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने अधिकारिक रूप से शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया. सांस्कृतिक के निदेशक प्रो. राकेश चंद्रा ने घटना से जुड़े कई तथ्य की जानकारी दी. चांसलर मेडल धारक शिवांश ने संक्षिप्त भाषण दिया. कार्यक्रम के अंत में डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन और कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने भी विचार रखे.

स्टूडेंट्स ने किया रक्तदान

एबीवीपी ने एलयू में शताब्दी वर्ष पर रक्तदान शिविर लगाया. इसका शुभारंभ आरएसएस के प्रांत सह संपर्क प्रमुख डा. राकेश द्विवेदी और महानगर अध्यक्ष डा. मंजुला उपाध्यक्ष ने सरस्वती प्रतिमा और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया. इस अवसर पर विद्यार्थियों व शिक्षकों ने रक्तदान किया.

सेलेक्ट हुआ एलयू के शिक्षक का स्लोगन

LUCKNOW (4 Feb): स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत्.... चौरी चौरा दिवस पर प्रदेश सरकार की ओर जारी किए गए लोगो पर लिखे इस स्लोगन को लखनऊ यूनिवर्सिटी के संस्कृत विभाग के शिक्षक डॉ. अशोक कुमार शतपथी ने तैयार किया है.

स्लोगन राष्ट्रभक्ति से जुड़ा

डॉ. अशोक कुमार बताते हैं कि संस्कृति विभाग ने उनको चौरी चौरा दिवस पर लोगो के लिए स्लोगन तैयार करने की कवायद पिछले साल शुरू की थी, जिसमें कोरोना के कारण देरी हुई है. जानकारों का कहना है कि एलयू इंटीग्रेटेड पीएचडी लागू करने वाली प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी है.

i-NEXT PAGE 2

सच होगा नौकरी के साथ शोध का सपना

LUCKNOW (4 Feb, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी की ओर से तैयार किए गए पीएचडी के नए आर्डिनेंस को राजभवन से ग्रीन सिग्नल मिल गया है. अब स्टूडेंट्स जॉब के साथ पार्ट टाइम पीएचडी कर सकेंगे. वहीं इसकी ऑनलाइन मौखिक परीक्षा के लिए वीसी की अनुमति भी नही लेनी होगी. अब पीएचडी एडमिशन इसी नए आर्डिनेंस के अनुसार दिए जाएंगे. गौरतलब है कि एलयू ने इंटीग्रेटेड पीएचडी शुरू करने की कवायद पिछले साल शुरू की थी, जिसमें कोरोना के कारण देरी हुई है. जानकारों का कहना है कि एलयू इंटीग्रेटेड पीएचडी लागू करने वाली प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी है.

GOOD NEWS

CONCEPT PIC

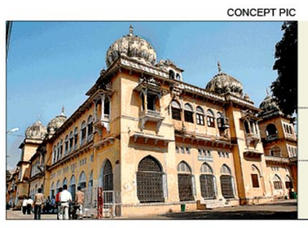

शासन ने एलयू के नए पीएचडी आर्डिनेंस को दी मंजूरी

प्रक्रिया एक नजर में

- स्टूडेंट्स को प्रोफेसरों, एसोसिएट प्रोफेसरों की देखरेख में पीएचडी के लिए एनरोल्ड किया जाएगा.
- एक एकेडमिक ईयर में एक अंशकालिक रिसर्च स्टूडेंट के नामांकन की मंजूरी एक संकाय से
- रिसर्च स्टूडेंट का कोर्स वर्क एग्जाम पास करना जरूरी

दोनों तरह के ऑप्शन

आर्डिनेंस 2020 के अनुसार अब पूर्णकालिक और अंशकालिक पीएचडी की जा सकेगी. टीचर्स के अनुसार कई ऐसे स्टूडेंट्स हैं, जिनकी रुचि रिसर्च की फील्ड में है लेकिन जॉब के कारण वे रिसर्च नहीं कर पा रहे थे. इस आर्डिनेंस से उनका सपना पूरा हो गया है.

नहीं बनानी होगी मोटी फाइल

अभी तक थीसिस प्रिंट कराने, उसकी कई कॉपियां जमा करने में स्टूडेंट्स का काफी पैसा खर्च होता था. वहीं अब थीसिस ईमेल से भी जमा की जा सकेगी. रिसर्च स्कॉलर रिसर्च सेल में थीसिस मेल कर सकेंगे.

अवार्ड व्यवस्था में भी बदलाव

नए आर्डिनेंस के अनुसार रिसर्च स्कॉलर के लिए मौखिक परीक्षा के दिन से ही पीएचडी अवार्ड की डेट मानी जाएगी. वहीं देश-विदेश के प्रोफेसर भी परीक्षक बनाए जाएंगे. ये स्टूडेंट्स का एग्जाम ऑनलाइन लेंगे.

बतानी होगी छह माह की प्रगति

हर विभाग में रिसर्च एडवायजरी कमेटी होगी, जहां रिसर्च स्कॉलर हर छह माह में दो बार प्रेजेंटेशन देकर रिसर्च से जुड़ी प्रगति रिपोर्ट बताएंगे. डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि राजभवन से पीएचडी के नए आर्डिनेंस को मंजूरी मिल गई है. रिसर्च में गुणवत्ता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए यह आर्डिनेंस बनाया गया है. इसका फायदा नौकरी के साथ रिसर्च में रुचि रखने वालों को भी मिलेगा.

एलयू की ओर से तैयार किए गए पीएचडी के नए आर्डिनेंस को राजभवन से भी मिल गई है मंजूरी. अब एडमिशन इसी आधार पर होंगे.

राजभवन से पीएचडी के नए आर्डिनेंस को मंजूरी मिल गई है. अब एडमिशन इसी आर्डिनेंस के अनुसार लिए जाएंगे.
प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

LUCKNOW CALLING!

लखनऊ यूनिवर्सिटी में पीएचडी एडमिशन को लेकर लागू होने वाली इस नई व्यवस्था से रिसर्च की फील्ड पर क्या असर पड़ेगा. हमसे शेयर करें...

हमें व्हाट्सएप करें 7275932460

THE PIONEER PAGE 4

Programme under Mission Shakti organised at LU

Lucknow (PNS): A two-day programme under Mission Shakti, an initiative of the Uttar Pradesh government, was organised by the the department of Applied Economics, University of Lucknow. The students were connected to the US Embassy for empowering them to pursue higher studies abroad. The guest speakers included US Embassy Consular Candice Laplante and Education Consulate from the Indian Embassy Rupali Verma. All the students of the department attended the session.

In another session, Prof Vibhuti Patel, former professor at Tata Institute of Social Sciences and SNDT University (Mumbai) held an interactive session on 'Support to adolescents girls and boys against sexual violence'. The session was meaningful in disseminating the knowledge and awareness on the topic. Director of Women Empowerment Cell Akanksha Richaria made a presentation on self-defence and legal framework for women.

A poster competition was held on the same theme in which 19 students of MCom and PhD participated. The first prize went to Preeti Kanaujiya and second to Aishwarya Awasthi while Manasi Yadav and Akanksha Singh shared the third position.

JAGRAN CITY PAGE I & IV

बीपीएड-एमपीएड की क्लास शुरू

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी के शारीरिक शिक्षा विभाग में विभागीय राजनीति की वजह से बीपीएड और एमपीएड प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 45 दिन बाद गुरुवार को शुरू हो पाईं. छात्रों ने वीसी से शिकायत करने की तैयारी की तो बुधवार को टाइम टेबल बनाकर गुरुवार से पढ़ाई शुरू कर दी गई. कला संकाय के डीन प्रो. बीके शुक्ला का कहना है कि टाइम टेबल की दिक्कत दूर कर ली गई है.

20 तक अपलोड करें इंटर्नल के मार्क्स

लखनऊ यूनिवर्सिटी और संबद्ध कॉलेजों को दिसंबर की यूजी-पीजी ऑड सेमेस्टर की आंतरिक, प्रयोगात्मक और मौखिक परीक्षाओं के अंक 20 फरवरी तक ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने होंगे. इसके लिए कालेजों की सूची पोर्टल पर उपलब्ध करा दी गई है. एग्जाम कंट्रोलर प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि आंतरिक परीक्षाओं के अंक अपलोड करने के लिए पोर्टल खोल दिया गया है.

लविवि के शिक्षक डा. अशोक ने तैयार किया चौरी-चौरा लोगो का स्लोगन

जासं, लखनऊ : 'स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत्' चौरी-चौरा दिवस पर राज्य सरकार की ओर से जारी लोगों पर लिखे इस स्लोगन को लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अशोक कुमार शतपथी ने तैयार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आग्रह पर संस्कृति विभाग ने स्लोगन तैयार करने की जिम्मेदारी इनको दी थी।

डा. अशोक कुमार शतपथी बताते हैं कि संस्कृति विभाग ने चौरी-चौरा दिवस पर लोगो के लिए स्लोगन तैयार करने की जिम्मेदारी दी थी। कहा गया था कि स्लोगन राष्ट्रभक्ति, राष्ट्र भावना युक्त तथा वीर रस से जुड़ा होना चाहिए। उसी को ध्यान में रखकर वीर रस को दर्शाते हुए स्लोगन तैयार किया। स्लोगन 'स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत्' अर्थात अपने रक्त के बलिदान से अपने राष्ट्र की रक्षा करनी चाहिए स्लोगन को तैयार किया। इसमें वीर रस दिखाते हुए राष्ट्र प्रेम के भाव को दिखाया गया है। इस स्लोगन में अनुष्टुप छंद की लय है। इससे श्लोक भी तैयार किया जा सकता है। डॉ शतपथी बताते हैं कि सरकार की ओर से चौरी चौरा दिवस पर जारी किये गये लोगो में उनके स्लोगन का शामिल होना बहुत ही गर्व की बात है। वे बताते हैं कि यह मेरे लिए बहुत ही गर्व की बात है कि चौरी चौरा जनाक्रोश दिवस पर मेरा योगदान भी शामिल हो गया है।

लोगों पर लिखा स्लोगन और प्रो. डा. अशोक शतपथी। ● सौ. लविवि

अपने रक्त के बलिदान से अपने राष्ट्र की रक्षा करनी चाहिए। इसमें वीर रस दिखाते हुए राष्ट्र प्रेम के भाव को दिखाया गया है। इस स्लोगन में अनुष्टुप छंद की लय है। इससे श्लोक भी तैयार किया जा सकता है। डा. शतपथी बताते हैं कि चौरी-चौरा दिवस पर जारी किए गए लोगों में स्लोगन का शामिल होना बहुत ही गर्व की बात है। गौरतलब है कि डा. अशोक लविवि के संस्कृत विभाग में वर्ष 2011 से असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में पढ़ा रहे हैं।

विवि के नए पीएचडी आर्डिनेंस को राजभवन की मंजूरी

45 दिन बाद बीपीएड, एमपीएड की कक्षाएं शुरू

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के पीएचडी के नए आर्डिनेंस (अध्यादेश) को राजभवन ने मंजूरी दे दी है। अब छात्र-छात्राएं नौकरी के साथ पार्ट टाइम पीएचडी भी कर सकेंगे। इसके अलावा पीएचडी की आनलाइन मौखिक परीक्षा के लिए कुलपति की अनुमति लेने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इस नए बदलाव के साथ पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आर्डिनेंस 2020 में पूर्णकालिक और अंशकालिक पीएचडी की जा सकेगी। लविवि शिक्षकों के मुताबिक अभी तक नौकरी के साथ पीएचडी करने का नियम नहीं था। इससे उनमें ऐसे छात्र जिन्हें शोध में रुचि है, लेकिन नौकरी भी करते हैं, वे इससे वंचित रह जाते थे। अब उन्हें पार्ट टाइम पीएचडी का मौका मिलेगा। छात्रों को केवल प्रोफेसरों या एसोसिएट प्रोफेसरों की देखरेख में नामांकित किया जाएगा। एक अकादमिक वर्ष में सिर्फ एक अंशकालिक शोध छात्र के नामांकन की अनुमति एक संकाय के तहत दी जाएगी। इन शोध छात्रों को कोर्स वर्क परीक्षा को पास करना अनिवार्य होगा। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नए आर्डिनेंस के अनुसार ही दाखिले लिए जाएंगे।

शोधार्थियों को राहत, अब नहीं बनानी होगी मोटी फाइलें: नए आर्डिनेंस से शोधार्थियों को राहत मिलेगी। अभी तक थीसिस प्रिंट कराने, उसकी कई कापियां जमा करने में शोधार्थियों का काफी पैसा खर्च होता था। अब पीडीएफ की कापी ई-मेल की सुविधा रहेगी। शोधार्थी रिसर्च सेल में मेल कर सकेंगे। इससे उनका खर्च बचेगा। हर विभाग में रिसर्च एडवाइजरी कमेटी बनाई जाएगी। जहां शोधार्थियों को हर छह महीने में दो बार प्रजेंटेशन देकर शोध से जुड़ी अपनी प्रगति रिपोर्ट देनी होगी

मौखिक परीक्षा वाले दिन से मानी जाएगी पीएचडी अवार्ड: पीएचडी अवार्ड की व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। नए आर्डिनेंस के मुताबिक शोधार्थियों को मौखिक परीक्षा के दिन से पीएचडी अवार्ड की तिथि मानी जाएगी।

इसके अलावा देश-विदेश के प्रोफेसर भी मौखिक परीक्षा के परीक्षक बनाए जा सकेंगे। उन्हें यहां बुलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह परीक्षा आनलाइन ली जा सकेगी।

राजभवन से नए पीएचडी आर्डिनेंस को मंजूरी मिल गई है। शोध में गुणवत्ता और नवाचार को बढ़ावा देने के हिसाब से यह आर्डिनेंस बनाया गया है। छात्र हित में यह उपयोगी होगा। -प्रो. पूनम टंडन, डीनस्टूडेंट वेलफेयर, लविवि

प्रवेश पत्र के पीछे लिखकर लाया नकल, पकड़ा गया

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की एलएलबी तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा के दौरान गुरुवार को मुमताज फैजी कालेज में एक छात्र नकल करते पकड़ा गया। वीक प्रावटर प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि सुबह की पाली में परीक्षा चल रही थी। सावल ब्लन ने सेंटर पर एक छात्र का प्रवेश पत्र चेक किया, जिसके पीछे नकल लिखी थी। उसके खिलाफ अनकेयर मीन्स (यूएफएम) के तहत कार्रवाई की गई।

जॉब के साथ छात्र कर सकेंगे पार्ट टाइम पीएचडी एलयू को मिली हरी झंडी, राजभवन ने दी मंजूरी

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी बन गई है, जहां से स्टूडेंट्स जॉब के साथ पार्ट टाइम पीएचडी कर सकेंगे। इसकी ऑनलाइन मौखिक परीक्षा के लिए कुलपति की अनुमति भी नहीं लेनी होगी। विवि के नए पीएचडी आर्डिनेंस को राजभवन ने हरी झंडी दे दी है। अब पीएचडी एडमिशन इसी नए आर्डिनेंस के अनुसार दिए जाएंगे। विवि स्तर पर इंटीग्रेटेड पीएचडी शुरू करने की कवायद पिछले साल शुरू की गई थीए लेकिन कोरोना के चलते इसमे देरी हुई है। आर्डिनेंस 2020 के अनुसार अब पूर्णकालिक और अंशकालिक पीएचडी की जा सकेगी। टीचर्स के अनुसार कई ऐसे स्टूडेंट्स हैं, जिनकी रुचि रिसर्च की फील्ड में है लेकिन जॉब के कारण वे रिसर्च नहीं कर पा रहे थे। इस आर्डिनेंस से उनका सपना पूरा हो गया है। अभी तक थीसिस प्रिंट कराने उसकी कई कॉपिया जमा करने में स्टूडेंट्स का काफी पैसा खर्च होता था। वहीं अब थीसिस ईमेल से भी जमा की जा सकेगी। रिसर्च स्कॉलर रिसर्च सेल में थीसिस मेल कर सकेंगे। नए आर्डिनेंस के अनुसार रिसर्च स्कॉलर के लिए मौखिक परीक्षा के दिन से ही पीएचडी अवार्ड की डेट मानी जाएगी। वहीं देश विदेश के प्रोफेसर भी परीक्षक बनाए जाएंगे। ये स्टूडेंट्स का एग्जाम ऑनलाइन लेंगे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 2 & 3

चौरी चौरा दिवस पर लविवि के शिक्षक ने भी रचा इतिहास

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। चौरी चौरा शताब्दी वर्ष महोत्सव के साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के शिक्षक डॉ अशोक कुमार शतपथी ने भी एक इतिहास रच दिया है। स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत... चौरी चौरा दिवस पर प्रदेश सरकार की ओर जारी किये गये लोगो पर लिखे इस स्लोगन को उन्होंने ही तैयार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चौरी चौरा लोगो के स्लोगन को लेकर कई शब्दों को सुझाया थे। उन्होंने निर्देश दिये थे कि स्लोगन इस तरह से तैयार किया जाये, जिसमें राष्ट्रभक्ति व राष्ट्रभावना दोनों ही शामिल हो। इसे लेकर कई राउंड उन्होंने उच्च अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी।

● डॉ अशोक कुमार ने तैयार किया लोगों का स्लोगन

डॉ शतपथी बताते हैं कि संस्कृति विभाग ने उनको चौरी चौरा दिवस पर लोगो के लिए स्लोगन तैयार करने की जिम्मेदारी दी थी। उनसे कहा गया था कि स्लोगन राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रभावना युक्त और वीर रस से जुड़ा होना चाहिए। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री की ओर से सुझाये गए शब्दों को ध्यान में रखते हुए वीर रस को दशार्ता स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत अर्थात अपने रक्त के बलिदान से अपने राष्ट्र की रक्षा करनी चाहिए स्लोगन को तैयार किया। इसमें वीर रस दिखाते हुए राष्ट्र प्रेम के भाव को दिखाया गया है। इस स्लोगन में अनुष्टुप छंद की लय है। इससे श्लोक भी तैयार किया जा सकता है। डॉ शतपथी बताते हैं कि सरकार की ओर से चौरी चौरा दिवस पर जारी किये गये लोगो में उनके स्लोगन का शामिल होना बहुत ही गर्व की बात है। वे बताते हैं कि यह मेरे लिए बहुत ही गर्व की बात है कि चौरी चौरा जनाक्रोश दिवस पर मेरा योगदान भी शामिल हो गया है।

लविवि में एनईपी के तहत कोर्स की तैयारी में जुटे शिक्षक

छह तक सौंपनी है कुलपति को रिपोर्ट

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत शिक्षक कोर्स बनाने में जुटे है। उन्हें कुलपति को छह फरवरी तक रिपोर्ट सौंपनी है। इसके लिए सभी विभागाध्यक्ष अपने विभागों के सहयोगी शिक्षकों के साथ जुटकर विषय तैयार करना शुरू कर दिया है।

इस संबंध में दो फरवरी को गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्